D.El.Ed. IInd Sem

Subject :- S.St.

Topic :- निति - निदेशक तत्वो का महत्व

राज्य के नीति - निदेशक सिद्धान्तो की यद्यपि कही आलोचना की गई है, फिर भी ये संविधान का एक महत्वपूर्ण तथा उपयोगी अंग है, जो निम्नलिखित है।

1 सत्तारूढ़ दल के लिए आचार - संहिता

राज्य के नीति - निदेशक सिद्धान्त सत्तारूढ़ दल के लिए आचार - संहिता है। देश के प्रत्येक राजनीति दल को सत्तारूढ़ होने पर अवश्य ही इन सिद्धान्तो के अनुसार अपनी नीतियो को निर्धारित करना चाहिए।

2 वास्तविक लोकतन्त्र के विकास मे विश्वासवर्द्धक

निदेशक सिद्धान्तो का महत्व इस तथ्य से भी सहित है कि ये भारत मे एक वास्तविक लोकतन्त्र के विकास का आश्वासन दिलाते है। डा० अम्बेडकर ने कहा था कि- "राजनैतिक लोकतन्त्र की उपलब्धि के बाद हमारी अभिलाषा आर्थिक लोकतन्त्र की स्थापना करने की है। नीति - निदेशक सिद्धान्तो का उद्देश्य भारत मे धीरे-2 आर्थिक लोकतन्त्र की स्थापना करना है। अतः वह लोकतन्त्र का एक महत्वपूर्ण स्तम्भ है और इसके सम्पन्नशाली होने की आशा दिलाते है।

P.T.O.

Scanned with CamScanner

3 कल्याणकारी राज्य की रूपरेखा प्रस्तुत करना

संविधान का उद्देश्य ऐसे कल्याणकारी राज्य की स्थापना करना है जिसमे आर्थिक तथा सामाजिक लोकतन्त्र का भी समावेश हो। राज्य के नीति-निदेशक तत्व इस आदर्श की प्राप्ति का साधन है।

4 नैतिक आदर्शों के रूप मे महत्त्व

यदि निदेशक तत्वो को केवल नैतिक धारणाएँ ही मान लिया जाऐ, तो इनका महत्त्व कम नही होता, हाँ ब्रिटेन मे मैग्नाकार्टा, फ्रांस मे मानवीय तथा नागरिक अधिकारो की घोषणा तथा अमेरिकी संविधान की प्रस्तावना को कोई वैधानिक शक्ति प्राप्त नही है, फिर भी इन देशो के इतिहास पर इनका पर्याप्त प्रभाव पड़ा है। इसी प्रकार यह भी आशा की जाती है कि ये निदेशक तत्व भारतीय शासन की नीति को निर्देशित और प्रभावित करेगे।

5 सरकार की सफलताओ के परीक्षण के मापदण्ड

निदेशक सिद्धान्तो का एक बहुत बड़ा लाभ यह है कि ये भारतीय जनता के पास सरकार की सफलताओ को जाँचने के मापदण्ड है।

by
Mr. Parveen Raj
Asst. Prof.
B.R.C.D. (CSRE)

Thankyou

Scanned with CamScanner